देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 31.01.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन कल लोकसभा में वर्ष 2026–27 का केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार में बर्ड फेस्टिवल का शुभारंभ किया। 330 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।
- प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था का सशक्त माध्यम बना विद्या समीक्षा केन्द्र। तकनीक व डेटा विश्लेषण के जरिये शिक्षा प्रणाली में हो रहा व्यापक सुधार।
- बागेश्वर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का पांच दिवसीय बाल वाटिका संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू।

केंद्रीय बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन कल लोकसभा में वर्ष 2026–27 का केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी। लोकसभा के बाद बजट की प्रति राज्यसभा में पेश की जाएगी। संसद में बजट भाषण सम्पन्न होने के बाद बजट की प्रति मोबाइल ऐप और वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगी। श्रीमति सीतारामन, बजट के बाद देश के विभिन्न क्षेत्रों के महाविद्यालयों से आए तीस विद्यार्थियों से बातचीत करेंगी। वहीं, केंद्रीय बजट को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट विकास, निवेश और आम जनता के हितों को मजबूती देने के साथ ही अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

बर्ड फेस्टिवल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पौड़ी जिले के कोटद्वार में आयोजित बर्ड फेस्टिवल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन करने के साथ ही जिले के विकास से जुड़ी 330 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 62 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न विभागों और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार, पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के संतुलन के साथ प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए युवाओं को सीएम यंग ईको–प्रिन्योर योजना के तहत नेचर गाइड, ड्रोन पायलट, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर, ट्रेकिंग गाइड और इको टूरिज्म उद्यमी के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बर्ड फेस्टिवल कोटद्वार क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्षा ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने बर्ड फेस्टिवल को इको– टूरिज्म और बर्ड– टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

जन–जन की सरकार

टिहरी जिले में जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम का समापन आज चंबा ब्लॉक के बादशाही थौल, नरेंद्रनगर ब्लॉक की न्याय पंचायत क्वीली और थौलधार ब्लॉक की न्याय पंचायत इडियाणा में किया गया। इस अवसर पर बादशाही थौल में आयोजित शिविर में जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 45 दिनों में जिले की सभी 75 न्याय पंचायतों में शिविर लगाए गए। इस दौरान पूरे जिले से लोगों की करीब नौ सौ शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 600 से ज्यादा का समाधान मौके पर ही किया गया।

जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम ने न केवल आमजन को राहत पहुंचाई है, बल्कि शासन, प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को भी और मजबूत किया है।

विद्या समीक्षा केंद्र

प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित विद्या समीक्षा केन्द्र, राज्य की शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, पारदर्शिता और डिजिटल निगरानी का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल से छात्रों की अधिगम प्रगति, शिक्षकों के प्रशिक्षण और विभागीय योजनाओं की निगरानी को डेटा–आधारित किया गया है, जिससे शिक्षण गुणवत्ता, उपस्थिति, प्रशिक्षण व संसाधन प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि तकनीक और डेटा के माध्यम से अब न केवल छात्रों की सीखने की प्रक्रिया पर सतत निगरानी संभव हो रही है, बल्कि शिक्षकों को भी आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण समय पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बन रही है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों के तहत विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से छात्रों की साप्ताहिक अधिगम प्रगति की सतत निगरानी की जा रही है। इसके लिए सक्षम कार्यक्रम के तहत विषयवार क्विज़ और उपचारात्मक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं 'मेरी उपस्थिति' चैटबॉट के माध्यम से विद्यार्थियों की रीयल–टाइम उपस्थिति दर्ज की जा रही है। साथ ही ई–सृजन प्लेटफार्म पर शिक्षकों को तकनीकी और विषयगत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से मूल्यांकन प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए भी नई पहल की गई है।

बाल वाटिका

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बागेश्वर में आज से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का पांच दिवसीय बाल वाटिका संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से आई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। इस दौरान उन्हें बाल वाटिका के संचालन, बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास, खेल–खेल में शिक्षा, भाषा विकास, नैतिक मूल्यों एवं व्यवहारिक कौशल विकसित करने की आधुनिक

तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। संस्थान के प्राचार्य डॉ. कुंदन सिंह रावत ने कहा कि इस प्रशिक्षण से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के सर्वांगीण विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

कैलाश मानसरोवर मार्ग

पिथौरागढ़ जिले में लिपुलेख को जोड़ने वाला कैलाश मानसरोवर यात्रा का प्रमुख सड़क मार्ग जल्द ही टू–लेन किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार की पहल पर जिला प्रशासन ने सड़क चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने बताया कि यह मार्ग न केवल सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि धार्मिक और पर्यटन के लिहाज से भी इसका विशेष महत्व है।

इसी मार्ग से कैलाश मानसरोवर के साथ ही आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा भी की जाती है। सड़क के चौड़ीकरण के बाद यात्रा और अधिक सुरक्षित और सुगम होगी।